



महाराष्ट्र शासन राजपत्र

असाधारण

प्राधिकृत प्रकाशन

वर्ष ४, अंक २५]

बुधवार, सप्टेंबर १२, २०१८/भाद्रपद २१, शके १९४०

[पृष्ठ ८, किंमत : रुपये ५५-००

स्वतंत्र संकलन म्हणून फाईल करण्यासाठी प्रत्येक विभागाच्या पुरवणीला वेगळे पृष्ठ क्रमांक दिले आहेत.

भाग एक-नागपूर विभागीय पुरवणी

संकीर्ण अधिसूचना : नेमणुका, इ. इ. केवळ नागपूर विभागाशी संबंधित असलेले नियम व आदेश

भाग १ (असा.) (ना.वि.पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ४३.

उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन क्रमांक १), यांजकडून

भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र सुधारणा) अधिनियम, २०१८

क्रमांक क.लि.-उजि(भू)-वि.पा.वि.म.-कावि-२११-२०१८.-

ज्याअर्थी, भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ (२०१३ चा ३०) याच्या कलम ३ च्या खंड (इ) च्या परंतुकाद्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली शासकीय अधिसूचना, महसूल व वन विभाग क्र. संकिर्ण ११-२०१४-प्र.क्र.-७७-अ-२, दिनांक १९ जानेवारी, २०१५ (यात यापुढे जिचा निर्देश “ उक्त अधिसूचना ” असा करण्यात आला आहे) याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (झेड अ) मध्ये व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी, एखाद्या जिल्ह्यातील ५०० हेक्टरपेक्षा अधिक नसेल इतक्या क्षेत्राकरीता जमीन संपादन करण्याच्या संबंधात, अशा जिल्ह्याचा जिल्हाधिकारी हा उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समुचित शासन असल्याचे मानण्यात येईल.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचनेनुसार समुचित शासन असलेल्या, नागपूर जिल्ह्याच्या जिल्हाधिका-यास यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-एकमध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेली जमीन (यात यापुढे जिचा निर्देश “ उक्त जमीन ” असा करण्यात आला आहे) सार्वजनिक प्रयोजनासाठी (यात यापुढे ज्याचा निर्देश “ उक्त सार्वजनिक प्रयोजन ” असा करण्यात आला आहे) आवश्यक आहे अथवा तीची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे असे वाटते, ज्याच्या स्वरूपाचे विवरण यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-दोनमध्ये दिलेले आहे.

आणि म्हणून, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (१) च्या तरतुदीन्वये याद्वारे असे अधिसूचित करण्यात येते की, उक्त जमिनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे;

आणि ज्याअर्थी, प्रस्तावित भूमि संपादनाच्या अनुषंगाने बाधित व्यक्तींचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-तीनमध्ये दिलेले आहेत. (विस्थापन होणार असेल तर या अनुसूचीमध्ये कारणे नमूद करावी);

आणि ज्याअर्थी, सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-चारमध्ये दिलेला आहे.

आणि ज्याअर्थी, कलम ४३ च्या पोट-कलम (१) अन्वये पुनर्वसन व पुनर्वसाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-पाचमध्ये दिलेला आहे. (नियुक्ती करणे आवश्यक असेल तर या अनुसूचीमध्ये तपशील नमूद करावा);

त्याअर्थी, आता, असे घोषित करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम ४अ नुसार कोणतीही व्यक्ती ही अधिसूचना प्रसिध्द झाल्याच्या दिनांकापासून ते उक्त अधिनियमाचे प्रकरण चार खालील कार्यवाही पूर्ण होईल त्या कालावधीपर्यंत उक्त जमिनीचा अथवा तिच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमिनीवर कोणताही भार निर्माण करणार नाही;

परंतु, उक्त जमिनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाने अर्ज केल्यावर जिल्हाधिका-यांस विशेष परिस्थितीची कारणे लेखी नमूद करून अशा मालकास उपरोक्त तरतुदीच्या प्रवर्तनातून सुट देता येईल.

परंतु, आणखी असे की, जर कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदींचे बुद्धीपुःरस्सर उल्लंघन केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्याही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिका-यांकडून भरपाई दिली जाणार नाही. तसेच, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (५) अनुसार, जिल्हाधिकारी भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम, २०१४ (यात यापुढे ज्यांचा निर्देश “ उक्त नियम ” असा करण्यात आलेला आहे) यांच्या नियम १० च्या, उप नियम (३) द्वारे विहीत केल्याप्रमाणे भूमि अभिलेखाच्या अद्ययावतीकरणाचे काम हाती घेणार असल्याचे व पूर्ण करणार असल्याचे देखील घोषित करण्यात येत आहे.

आणि म्हणून, त्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये, समुचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमाखालील जिल्हाधिका-यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी श्री ए. सी. कुमरे, उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन क्र. १), विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळ, नागपूर यांस पदनिर्देशित करित आहे.

अनुसूची-एक जमिनीचे वर्णन

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक ३-अ-६५-२०११-२०१२, प.ह.नं. ४२-अ
गाव-रायवाडी (जुनी), तालुका-सावनेर, जिल्हा नागपूर.

| अनुक्रमांक (१) | चालता क्रमांक (२) | घर टॅक्स क्रमांक (३) | बांधकामाचे क्षेत्रफळ (४) चौ. मी. | खुल्या जागेचे क्षेत्रफळ (५) चौ. मी. | एकूण क्षेत्रफळ (६) चौ. मी. |
|-------------------|----------------------|-------------------------|--|---|----------------------------------|
| १ | १ | १५ | ११९.१३ | २५.५८ | १४४.७१ |
| २ | २ | १२ | ६४.०३ | ७.१० | ७१.१३ |
| ३ | ३ | ८ | ४५.३७ | ९७.४२ | १४२.७९ |
| ४ | ४ | ७ | २१३.२३ | २२७.८८ | ४४१.११ |
| ५ | ५ | ६ | ८१.८५ | ०.०० | ८१.८५ |
| ६ | ६ | . | ९.५४ | २५.६० | ३५.१४ |
| ७ | ७ | ९ | ५४.९८ | ३४.६६ | ८९.६४ |
| ८ | ८ | १० | ४७.८४ | ०.०० | ४७.८४ |
| ९ | ९ | ४ | ४०.६० | ५६.५९ | ९७.१९ |
| १० | १० | ५ | ३८.५६ | ६८.६७ | १०७.२३ |
| ११ | ११ | ११ | ४७.५९ | ६१.६६ | १०९.२५ |
| १२ | १२ | १४ | ५१.०३ | ७२.०४ | १२३.०७ |
| १३ | १३ | १३ | ३८.४६ | ६५.६४ | १०४.१० |
| १४ | १४ | २३ | ६१.५५ | २६५.०६ | ३२६.६१ |
| १५ | १५ | १ | ३५.९० | ११२.८८ | १४८.७८ |

अनुसूची-एक-चालू

| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
|-----|-----|-----|---------|---------|---------|
| | | | चौ. मी. | चौ. मी. | चौ. मी. |
| १६ | १६ | २४८ | ४०.३९ | १८६.२० | २२६.५९ |
| १७ | १७ | ३ | २५४.०६ | २९२.४८ | ५४६.५४ |
| १८ | १८ | २५१ | १६.५१ | ४.८५ | २१.३६ |
| १९ | १९ | २५३ | ४१.०५ | २८.८६ | ६९.९१ |
| २० | २० | २१ | ३५.६८ | ५७.५१ | ९३.१९ |
| २१ | २१ | २० | ४२.१४ | २९.२३ | ७१.३७ |
| २२ | २२ | १९ | ३९.३० | १०.४१ | ४९.७१ |
| २३ | २३ | २४ | १०७.३९ | ५४.३६ | १६१.७५ |
| २४ | २४ | २५ | ६६.६० | २७.९५ | ९४.५५ |
| २५ | २५ | २६ | ७५.१८ | ३७.४२ | ११२.६० |
| २६ | २६ | १८ | ६२.०३ | ०.०० | ६२.०३ |
| २७ | २७ | २४९ | ३१.८२ | ०.०० | ३१.८२ |
| २८ | २८ | १६ | ५६.७१ | ३५.२२ | ९१.९३ |
| २९ | २९ | १७ | ५९.३४ | ४.२७ | ६३.६१ |
| ३० | ३० | ३८ | ७०.९४ | २६३.५७ | ३३४.५१ |
| ३१ | ३१ | ४४ | ७९.५२ | १२८.५४ | २०८.०६ |
| ३२ | ३२ | ४२ | ४३.६८ | ११.२९ | ५४.९७ |
| ३३ | ३३ | ३९ | ३१.५६ | १२.३३ | ४३.८९ |
| ३४ | ३४ | ४० | ३०.३६ | २२.२९ | ५२.६५ |
| ३५ | ३५ | ४१ | ३२.६७ | १५.२३ | ४७.९० |
| ३६ | ३६ | ४३ | ० ०० | ७२.९० | ७२.९० |
| ३७ | ३७ | ४७ | ४१.४६ | २४.३६ | ६५.८२ |
| ३८ | ३८ | ४५ | ६४.२८ | ३३.९० | ९८.१८ |
| ३९ | ३९ | ४८ | ५४.४९ | ३४.५१ | ८९.०० |
| ४० | ४० | ४९ | १५.१० | १६.५४ | ३१.६४ |
| ४१ | ४१ | २५२ | २२.९७ | १७.२२ | ४०.१९ |
| ४२ | ४२ | ३३ | ७५.२४ | ५२.५९ | १२७.८३ |
| ४३ | ४३ | ३४ | ३०.१६ | ५४.३७ | ८४.५३ |
| ४४ | ४४ | ३५ | ६२.९९ | ६२.१९ | १२५.१८ |
| ४५ | ४५ | ३६ | १५.७४ | ९.४४ | २५.१८ |
| ४६ | ४६ | ३७ | १५.६१ | ४.४१ | २०.०२ |
| ४७ | ४७ | . . | २१.०२ | ०.०० | २१.०२ |
| ४८ | ४८ | ५६ | ३७.४२ | २.९४ | ४०.३६ |
| ४९ | ४९ | ५८ | ३७.४२ | ३.०९ | ४०.५१ |
| ५० | ५० | ५७ | ३६.४५ | ६.५० | ४२.९५ |
| ५१ | ५१ | ६० | ३७.३४ | ०.०० | ३७.३४ |
| ५२ | ५२ | ६१ | ३८.८८ | १६.७० | ५५.५८ |
| ५३ | ५३ | ६२ | ३८.१७ | ०.०० | ३८.१७ |
| ५४ | ५४ | २५९ | ६३.४२ | ८८.७० | १५२.१२ |
| ५५ | ५५ | ९५ | ४६.१५ | ३९.११ | ८५.२६ |

अनुसूची-एक-चालू

| (१) | (२) | (३) | (४) चौ. मी. | (५) चौ. मी. | (६) चौ. मी. |
|-----|------|-----|----------------|----------------|----------------|
| ५६ | ५६ | ३० | ४३.४२ | ३२.६६ | ७६.०८ |
| ५७ | ५७ | २७ | ४६.३९ | ३३.७८ | ८०.१७ |
| ५८ | ५८ | २८ | ४६.८६ | २७.८२ | ७४.६८ |
| ५९ | ५९ | ३१ | ३४.१७ | ०.०० | ३४.१७ |
| ६० | ६० | ७६ | ५३.९७ | ४८.२६ | १०२.२३ |
| ६१ | ६१ | ७५ | ६७.३६ | ६२.६५ | १३०.०१ |
| ६२ | ६२ | ७४ | २७.६९ | २६.३५ | ५४.०४ |
| ६३ | ६३ | ६३ | ७९.४० | ७८.६७ | १५८.०७ |
| ६४ | ६४ | ३२ | ५०.१९ | २१.४६ | ७१.६५ |
| ६५ | ६५ | ९३ | ३८.५१ | ६५.५२ | १०४.०३ |
| ६६ | ६६ | ७९ | ३८.५३ | १९.४४ | ५७.९७ |
| ६७ | ६७ | ७७ | १४.९३ | ६७.९२ | ८२.८५ |
| ६८ | ६८ | ७८ | ४१.४६ | १९.८५ | ६१.३१ |
| ६९ | ६९ | ८१ | ४६.७८ | २४.०० | ७०.७८ |
| ७० | ७० | ८० | ६६.६४ | ३४.५१ | १०१.१५ |
| ७१ | ७१ | ८२ | १४.८५ | ५०.३४ | ६५.१९ |
| ७२ | ७२ | २५० | २६.४८ | ५७.०० | ८३.४८ |
| ७३ | ७३ | १०० | ५०.५० | ३७.५९ | ८८.०९ |
| ७४ | ७४ | ५४ | ५०.२४ | ५७.१० | १०७.३४ |
| ७५ | ७५ | ५५ | ३०.८४ | १०.०० | ४०.८४ |
| ७६ | ७६ | ५३ | ८८.०५ | ३३.०५ | १२१.१० |
| ७७ | ७७ | ९७ | ०.०० | ३३.०५ | ३३.०५ |
| ७८ | ७८ | ५० | २४.३५ | ५६.७१ | ८१.०६ |
| ७९ | ७९ | ५१ | ३९.७८ | ४४.८२ | ८४.६० |
| ८० | ८० | ५२ | ३२.२१ | ७३.८४ | १०६.०५ |
| ८१ | ८१ | ९८ | ५६.५२ | ४०.१४ | ९६.६६ |
| ८२ | ८२ | २४६ | ४२.७० | २९.६२ | ७२.३२ |
| ८३ | ८३ | ५९ | ८७.७० | २५.१० | ११२.८० |
| ८४ | ८४ | ४९ | ८४.४२ | १७५.६३ | २६०.०५ |
| ८५ | ८५ | २५४ | २४.१५ | ५१.३० | ७५.४५ |
| ८६ | ८६ | ६४ | ०.०० | ७३.४७ | ७३.४७ |
| ८७ | ८७ | ६५ | ५६.५० | १०१.०९ | १५७.५९ |
| ८८ | ८८/१ | ६६ | ५३.६२ | ९.३९ | ६३.०१ |
| ८९ | ८८/२ | ६७ | ३६.३१ | ९.३० | ४५.६१ |
| ९० | ८९ | ९९ | २५.५३ | ६२.२९ | ८७.८२ |
| ९१ | ९० | १२ | ६३.७७ | २१.१० | ८४.८७ |
| ९२ | ९१ | ७२ | ५४.९७ | २०.५० | ७५.४७ |
| ९३ | ९२ | ७१ | ०.०० | १३१.९७ | १३१.९७ |
| ९४ | ९३ | ८३ | ४६.५७ | १०१.०४ | १४७.६१ |

अनुसूची-एक-चालू

| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
|--------------------|-----|-----|---------|---------|----------|
| | | | चौ. मी. | चौ. मी. | चौ. मी. |
| ९५ | ९४ | ८४ | ३६.३५ | ११६.९२ | १५३.२७ |
| ९६ | ९५ | ९२ | ३०.८८ | १७५.४१ | २०६.२९ |
| ९७ | ९६ | | | | |
| ९८ | ९७ | २१७ | २७.०१ | ६३.३३ | ९०.३४ |
| ९९ | ९८ | २४५ | २५.७४ | ५८.५९ | ८४.३३ |
| १०० | ९९ | ८६ | १२५.४७ | १६०.१५ | २८५.६२ |
| १०१ | १०० | ८७ | ११६.२० | १६२.४२ | २७८.६२ |
| १०२ | १०१ | ८८ | ११२.२३ | २०५.८७ | ३१८.१० |
| १०३ | १०२ | २३६ | ५.६० | ५९.११ | ६४.७१ |
| १०४ | १०४ | ४६ | ०.०० | १२९.८५ | १२९.८५ |
| १०५ | १०५ | ९४ | ६३.६३ | १३३.४० | १९७.०३ |
| १०६ | १०६ | ८९ | ६०.९० | २७.३७ | ८८.२७ |
| १०७ | १०७ | ९० | ०.०० | ८८.१५ | ८८.१५ |
| १०८ | १०८ | २४७ | ०.०० | ५८.८४ | ५८.८४ |
| एकूण क्षेत्रफळ . . | | | ५२११.२७ | ६१९०.०० | ११४०१.२७ |

अनुसूची-दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

| | | |
|------------------------|---|--|
| प्रकल्पाचे नाव | : | कन्हान नदी प्रकल्प (कोक्छी बॅरेज) |
| प्रकल्प कार्याचे वर्णन | : | कोक्छी बॅरेजच्या बाधित क्षेत्राकरिता |
| समाजाला मिळणारे लाभ | : | कन्हान नदी प्रकल्प (कोक्छी बॅरेज) योजनेचा लाभ सार्वजनिक पाणीपुरवठा, उद्योगधंदे व शेतजमीनीला होणार आहे. |

अनुसूची-तीन

बाधित व्यक्तीचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे : विस्थापीत होत आहे.

पुनर्वसाहत क्षेत्राचे वर्णन

गाव : बडेगाव, तालुका सावनेर, जिल्हा नागपूर.

| अनुक्रमांक | भूमापन क्रमांक किंवा गट नंबर | क्षेत्र |
|----------------|------------------------------|---------|
| (१) | (२) | (३) |
| | | हे. आर |
| १ | ५९ | ० ९८ |
| २ | ६० | १ ०१ |
| ३ | ६१/१ | ० ९८ |
| ४ | ६२ | १ १० |
| ५ | ६३ | १ ५२ |
| ६ | ६४/१ | २ ०४ |
| ७ | ६४/२ | १ ७९ |
| एकूण आराजी . . | | ९ ४२ |

अनुसूची-चार

सामाजिक प्रभाव निर्धारणाचा सारांश : भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना, वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (सामाजिक प्रभाव निर्धारण अभ्यास करणा-या अभिकरणाने दिलेला) अधिनियम, २०१३ चे कलम १०(क) अन्वये महाराष्ट्र शासन, महसूल व वनविभाग, मंत्रालय, मुंबई यांची अधिसूचना दिनांक १३ मार्च, २०१५ नुसार उक्त अधिनियमाचे प्रकरण २ व ३ यांच्या तरतुदी लागू करण्यावाचून सूट देण्यात आली आहे.

अनुसूची-पाच

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील

| | | |
|---|---|-------|
| (अ) प्रशासक म्हणून नियुक्त करण्यात आलेल्या अधिका-याचे पदनाम | : | निरंक |
| (आ) प्रशासकाच्या कार्यालयाचा पत्ता | : | निरंक |
| (इ) ज्या अधिसूचनेद्वारे प्रशासकाची नियुक्ती करण्यात आली आहे त्या अधिसूचनेचा तपशील | : | निरंक |

टीप : उक्त जमिनीच्या आराखड्याचे उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन क्र. १), विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळ, नागपूर यांचे कार्यालयामध्ये निरीक्षण करता येईल.

भाग १ (असा.) (ना.वि.पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ४४.

भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र सुधारणा) अधिनियम, २०१८.

क्रमांक क.लि.-उजि(भू)-वि.पा.वि.म.-कावि-२१२-२०१८.—

ज्याअर्थी, भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ (२०१३ चा ३०) याच्या कलम ३ च्या खंड (इ) च्या परंतुकाद्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली शासकीय अधिसूचना, महसूल व वन विभाग क्र. संकिर्ण ११-२०१४-प्र.क्र.-७७-अ-२, दिनांक १९ जानेवारी, २०१५ (यात यापुढे जिचा निर्देश “ उक्त अधिसूचना ” असा करण्यात आला आहे) याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (झेड अ) मध्ये व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी, एखाद्या जिल्ह्यातील ५०० हेक्टरपेक्षा अधिक नसेल इतक्या क्षेत्राकरीता जमीन संपादन करण्याच्या संबंधात, अशा जिल्ह्याचा जिल्हाधिकारी हा उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समुचित शासन असल्याचे मानण्यात येईल.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचनेनुसार समुचित शासन असलेल्या, नागपूर जिल्ह्याच्या जिल्हाधिका-यास यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-एकमध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेली जमीन (यात यापुढे जिचा निर्देश “ उक्त जमीन ” असा करण्यात आला आहे) सार्वजनिक प्रयोजनासाठी (यात यापुढे ज्याचा निर्देश “ उक्त सार्वजनिक प्रयोजन ” असा करण्यात आला आहे) आवश्यक आहे अथवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे असे वाटते, ज्याच्या स्वरूपाचे विवरण यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-दोनमध्ये दिलेले आहे.

आणि म्हणून, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (१) च्या तरतुदीन्वये याद्वारे असे अधिसूचित करण्यात येते की, उक्त जमिनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे;

आणि ज्याअर्थी, प्रस्तावित भूमि संपादनाच्या अनुषंगाने बाधित व्यक्तींचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-तीनमध्ये दिलेले आहेत. (विस्थापन होणार असेल तर या अनुसूचीमध्ये कारणे नमूद करावी);

आणि ज्याअर्थी, सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-चारमध्ये दिलेला आहे.

आणि ज्याअर्थी, कलम ४३ च्या पोट-कलम (१) अन्वये पुनर्वसन व पुनर्वसाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-पाचमध्ये दिलेला आहे. (नियुक्ती करणे आवश्यक असेल तर या अनुसूचीमध्ये तपशील नमूद करावा);

त्याअर्थी, आता, असे घोषित करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम चार नुसार कोणतीही व्यक्ती ही अधिसूचना प्रसिध्द झाल्याच्या दिनांकापासून ते उक्त अधिनियमाचे प्रकरण चार खालील कार्यवाही पूर्ण होईल त्या कालावधीपर्यंत उक्त जमिनीचा अथवा तिच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमिनीवर कोणताही भार निर्माण करणार नाही;

परंतु, उक्त जमिनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाने अर्ज केल्यावर जिल्हाधिका-यांस विशेष परिस्थितीची कारणे लेखी नमूद करून अशा मालकास उपरोक्त तरतुदीच्या प्रवर्तनातून सुट देता येईल.

परंतु, आणखी असे की, जर कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे बुद्धीपुःरस्सर उल्लंघन केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्याही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिका-यांकडून भरपाई दिली जाणार नाही.

तसेच उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (५) अनुसार, जिल्हाधिकारी भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम, २०१४ (यात यापुढे ज्यांचा निर्देश “ उक्त नियम ” असा करण्यात आला आहे) यांच्या नियम १० च्या उप नियम (३) द्वारे विहीत केल्याप्रमाणे भूमि अभिलेखाच्या अद्ययावतीकरणाचे काम हाती घेणार असल्याचे व पूर्ण करणार असल्याचे देखील घोषित करण्यात येत आहे.

आणि म्हणून, त्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये, समुचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमाखालील जिल्हाधिका-यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी श्री. ए. सी. कुमरे, उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन क्र. १), विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळ, नागपूर यास पदनिर्देशित करीत आहे.

अनुसूची-एक

जमिनीचे वर्णन

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक १०-अ-६५-२०१७-१८, प.ह.नं. ८७,

गाव-कन्हाळगाव, तालुका-भिवापूर, जिल्हा नागपूर.

| अनुक्रमांक | सर्व्हे क्रमांक किंवा गट क्रमांक | संपादनाखालील क्षेत्र (अदमासे) |
|------------|-------------------------------------|----------------------------------|
| (१) | (२) | (३) हे. आर |
| १ | ३२/१ | ० २९ |
| २ | ३२/२ | ० २९ |
| | अदमासे क्षेत्र . . | ० ५८ |

अनुसूची-दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

| | | |
|------------------------|---|---|
| प्रकल्पाचे नाव | : | मोखाबर्डी उपसा सिंचन योजना. |
| प्रकल्प कार्याचे वर्णन | : | मोखाबर्डी उपसा सिंचन योजनेअंतर्गत पेंढरी मोखाळा वितरीकेवरील लघु कालवा आर-४ च्या भूसंपादनाकरीता. |
| समाजाला मिळणारे लाभ | : | मोखाबर्डी उपसा सिंचन योजनेचा लाभ सार्वजनिक पाणीपुरवठा, उद्योगधंदे व शेतजमिनीला होणार आहे. |

अनुसूची-तीन

बाधित व्यक्तीचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे : विस्थापीत होत नाही.

अनुसूची-चार

सामाजिक प्रभाव निर्धारणाचा सारांश : भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना, वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (सामाजिक प्रभाव निर्धारण अभ्यास अधिनियम, २०१३ चे कलम १०(क) अन्वये महाराष्ट्र शासन, महसूल व वनविभाग, मंत्रालय, मुंबई यांची अधिसूचना दिनांक १३ मार्च, २०१५ नुसार उक्त अधिनियमाचे प्रकरण २ व ३ यांच्या तरतुदी लागू करण्यावाचून सूट देण्यात आली आहे.

अनुसूची-पाच

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील

- | | | |
|---|---|-------|
| (अ) प्रशासक म्हणून नियुक्त करण्यात आलेल्या अधिका-याचे पदनाम | : | निरंक |
| (आ) प्रशासकाच्या कार्यालयाचा पत्ता | : | निरंक |
| (इ) ज्या अधिसूचनेद्वारे प्रशासकाची नियुक्ती करण्यात आली आहे त्या अधिसूचनेचा तपशील | : | निरंक |

टीप : उक्त जमिनीच्या आराखड्याचे उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन क्र. १), विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळ, नागपूर यांचे कार्यालयामध्ये निरीक्षण करता येईल.

नागपूर :
दिनांक ११ सप्टेंबर, २०१८.

ए. सी. कुमरे,
उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन क्र. १),
विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळ, नागपूर.